आधारभूत उद्योग सूचकांक (ICI) — सितंबर 2026 में 7.9%

प्रकाशन तिथि: 22 अक्टूबर 2026

परिचय

कार्यालय आर्थिक सलाहकार (OEA, DPIIT) की आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार सितंबर 2026 में आठ मूलभूत/आधारभूत उद्योगों का संयुक्त उत्पादन सूचकांक (ICI) सालाना आधार पर **7.9 प्रतिशत** बढ़ा — नई शृंखला की तेज़तर्रार वृद्धि।

प्रमुख तथ्य (आधिकारिक PDF से)

- **क्षेत्रीय वृद्धि:** लौह-अयस्क 18.4%, विद्युत 11.4%, कोयला 10.7%, रिफाइनरी उत्पाद 10.3%, सीमेंट 9.8%, इस्पात 4.9%।
- **संकुचन:** उर्वरक, प्राकृतिक गैस और कच्चा तेल।
- अप्रैल-सितंबर 2026 संचयी वृद्धि 5.1 प्रतिशत; मुख्य योगदान: कोयला, रिफाइनरी, इस्पात, लौह-अयस्क।
- 2022-23 आधार-वर्ष की नई शृंखला में तोकरी 8 से बढ़कर 9 उद्योगों की हुई — लौह-अयस्क जुड़ा (प्रवीण महतो समिति की सिफारिश पर)।
- ICI मासिक रूप से OEA, DPIIT (वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय) जारी करता है; यह IIP का अग्रणी संकेतक माना जाता है (पुरानी शृंखला में IIP में इनका वज़न लगभग 40% था)।

परीक्षा-उपयोगिता

आर्थिक सूचकांक, आधार-वर्ष संशोधन, अग्रणी संकेतक।

प्रारंभिक परीक्षा शैली: अभ्यास प्रश्न

प्रश्न 1. सितंबर 2026 में ICI वृद्धि रही:

(a) 5.1%

(b) 7.9%

(c) 9.8%

(d) 4.9%

PCSMANTRA.COM

▶ उत्तर और कारण देखें

प्रश्न 2. 2022-23 आधार शृंखला में कौन सा उद्योग नया जुड़ा?

(a) एल्युमिनियम

(b) लौह-अयस्क

(c) कपड़ा

(d) चीनी

▶ उत्तर और कारण देखें

प्रश्न 3. ICI कौन प्रकाशित करता है?

(a) RBI

(b) NSO

(c) OEA, DPIIT

(d) नीति आयोग

▶ उत्तर और कारण देखें

संदर्भ और विस्तृत व्याख्या

आठ मूलभूत उद्योग — कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पाद, उर्वरक, इस्पात, सीमेंट और विद्युत — अर्थव्यवस्था की "नस" माने जाते हैं: इनका उत्पादन हर दूसरे क्षेत्र (निर्माण, परिवहन, कृषि, विनिर्माण) की इनपुट-लागत और गति तय करता है। इसीलिए ICI को IIP (औद्योगिक उत्पादन सूचकांक) का **अग्रणी संकेतक** कहा जाता है — ICI पहले आता है और IIP की दिशा का पूर्वानुमान देता है (पुरानी शृंखला में इनका IIP में वज़न लगभग 40% था)।

सितंबर 2026 के आँकड़ों की बारीकियाँ: **लौह-अयस्क 18.4%** की उछाल इस्पात-श्रृंखला की मजबूत मांग का संकेत है; विद्युत (11.4%) और कोयला (10.7%) की वृद्धि ऊर्जा-मांग बढ़ने से जुड़ी है; सीमेंट (9.8%) निर्माण-गतिविधि का सूचक। दूसरी ओर उर्वरक, प्राकृतिक गैस और कच्चे तेल का संकुचन आपूर्ति-पक्ष की खामियाँ दिखाता है।

प्रशासनिक बदलाव न भूलें: **2022-23 आधार-वर्ष** की नई शृंखला में तोकरी 8 से बढ़कर 9 उद्योगों की हुई — **लौह-अयस्क जुड़ा** (प्रवीण महतो समिति की सिफारिश पर)। आधार-वर्ष बदलने का उद्देश्य सूचकांक को वर्तमान आर्थिक-संरचना से सुसंगत रखना है — वज़न और तोकरी दोनों अद्यतन होते हैं। अप्रैल-सितंबर संचयी वृद्धि 5.1% है, यानी सितंबर की 7.9% दर वर्ष-औसत से काफी ऊपर — गति तेज हुई है। प्रिलिम्स में जारीकर्ता (OEA, DPIIT), आधार-वर्ष और नया उद्योग — ये तीन तथ्य सीधे पूछे जा सकते हैं।

स्रोत

- OEA/DPIIT विज्ञप्ति PDF (21 अक्टूबर 2026): https://www.eaindustry.nic.in/eight_core_infra/Press_Release_ICI_20261021.pdf

PCSMANTRA.COM